नराकास, मुंबई (दक्षिण कार्यालय-02) की प्रथम छमाही बैठक

मुंबई, 06 अगस्त 2026

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मुंबई (दक्षिण कार्यालय-02) की प्रथम छमाही बैठक का आज मुंबई में गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न सदस्य कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों, कार्यालय प्रमुखों एवं राजभाषा प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक में राजभाषा नीति, नराकास की भूमिका तथा आगामी कार्ययोजना पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ।

समिति के अध्यक्ष श्री बिरजा प्रसाद दास ने अपने संबोधन में राजभाषा के केवल अनुपालन से आगे बढ़कर उसे व्यवहार और कार्यसंस्कृति का हिस्सा बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य अतिथि श्री हरीश सिंह चौहान, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के प्रेरक उद्बोधन एवं मार्गदर्शन ने बैठक को विशेष दिशा और गहराई प्रदान की।

श्री हृषीकेश मिश्रा, महाप्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने हिंदी को सरल, सुगम एवं प्रवाहपूर्ण बनाए रखने पर बल दिया तथा राजभाषा पत्रिकाओं में स्थानीय भाषाओं को स्थान देने की सार्थक बात कही। श्री विवेकानंद, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), केंद्रीय कार्यालय, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुंबई ने देश की भाषाओं के सम्मान एवं उनके महत्व को रेखांकित किया।

इस अवसर पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मुंबई (दक्षिण कार्यालय-02) के इस गरिमामय मंच पर महापत्तन न्यायनिर्णायक बोर्ड की अर्धवार्षिक राजभाषा पत्रिका 'संवादिनी' के प्रवेशांक का परिचय एवं अवलोकन कराया गया। इस हेतु बोर्ड को अवसर प्रदान करने के लिए समिति के अध्यक्ष श्री बिरजा प्रसाद दास जी एवं सदस्य सचिव श्री संजय प्रसाद जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। श्रीमती अनुराधा एच. शर्मा, संयुक्त रजिस्ट्रार तथा श्री रणधीर कुमार, प्रशासनिक अधिकारी ने बोर्ड की ओर से सहभागिता करते हुए 'संवादिनी' के प्रकाशन की पृष्ठभूमि, उद्देश्य एवं भावी परिकल्पना से उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया। यह रेखांकित किया गया कि 'संवादिनी' मात्र एक राजभाषा पत्रिका नहीं, बल्कि बोर्ड की कार्य-संस्कृति, ज्ञान-साझाकरण, रचनात्मक अभिव्यक्ति, साहित्य एवं संस्कृति तथा प्रशासनिक उत्कृष्टता और नवाचार को मंच प्रदान करने का एक सशक्त माध्यम है। साथ ही, पत्रिका के माध्यम से विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों के मध्य श्रेष्ठ कार्य-पद्धतियों, उपयोगी अनुभवों एवं प्रेरक विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने की परिकल्पना व्यक्त की गई। नवगठित महापत्तन न्यायनिर्णायक बोर्ड के लिए 'संवादिनी' का प्रवेशांक एक महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण पहल है, जो राजभाषा हिन्दी के प्रति बोर्ड की प्रतिबद्धता के साथ-साथ संस्थागत ज्ञान, सृजनात्मकता एवं उत्कृष्ट कार्य-संस्कृति को विकसित करने के संकल्प का परिचायक है।

बैठक के सफल आयोजन में सदस्य सचिव श्री संजय प्रसाद तथा उनकी समर्पित टीम -सुश्री राधा, सुश्री अविनाश, सुश्री मनाली, श्री ललित, श्री हिमांशु एवं श्री अरविंद - का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर श्री अश्वनी कुमार सिन्हा, क्षेत्र प्रमुख ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महापत्तन न्यायनिर्णायक बोर्ड ने नराकास, मुंबई (दक्षिण कार्यालय-02) के अध्यक्ष, पदाधिकारियों एवं पूरी आयोजन टीम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे मंच राजभाषा को महज सरकारी अनुपालन का विषय न रहने देकर उसे संवाद, सहभागिता और प्रशासनिक संवेदनशीलता की जीवंत भाषा बनाने का अवसर प्रदान करते हैं।

— महापत्तन न्यायनिर्णायक बोर्ड, मुंबई